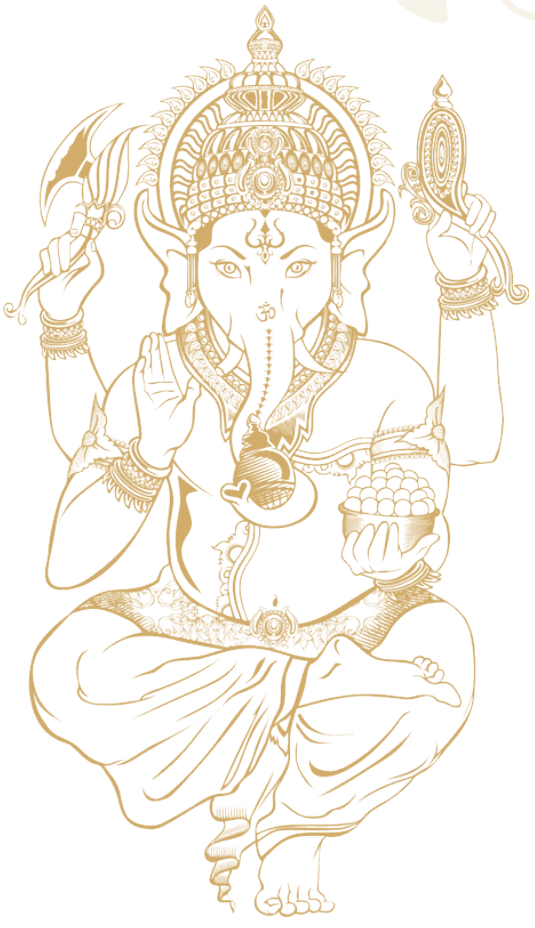

Govind vishwakarma

Sweta Vishwakarma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121599602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
8-09/09/2003	जन्म तिथि	31-01/11/2002
सोम-मंगलवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 05:10:00	जन्म समय	01:00:00 घंटे
घटी 56:54:02	जन्म समय(घटी)	45:54:06 घटी
India	देश	India
Thane	स्थान	Sarnath
19:12:00 उत्तर	अक्षांश	25:23:00 उत्तर
72:58:00 पूर्व	रेखांश	83:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:08	स्थानिक संस्कार	00:02:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:24:23	सूर्योदय	06:05:08
18:47:13	सूर्यास्त	17:17:45
23:54:18	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:30

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 2वर्ष 8मा 24दि	03:50:04	सिंह	लग्न	सिंह	05:07:45	शुक्र 13वर्ष 4मा 18दि
गुरु	21:59:53	सिंह	सूर्य	तुला	14:18:26	चन्द्र
03/06/2024	01:27:34	कुंभ	चंद्र	सिंह	17:44:39	20/03/2022
03/06/2040	08:19:27	कुंभ व	मंगल	कन्या	16:22:26	20/03/2032
गुरु 22/07/2026	26:07:51	सिंह व	बुध	तुला	05:53:06	चन्द्र 19/01/2023
शनि 01/02/2029	08:49:29	सिंह	गुरु	कर्क	22:26:05	मंगल 20/08/2023
बुध 10/05/2031	27:48:01	सिंह	शुक्र व	तुला	13:48:39	राहु 18/02/2025
केतु 15/04/2032	17:22:52	मिथु	शनि व	मिथु	04:49:04	गुरु 20/06/2026
शुक्र 15/12/2034	29:00:37	मेष व	राहु व	वृष	15:10:53	शनि 19/01/2028
सूर्य 03/10/2035	29:00:37	तुला व	केतु व	वृश्चि	15:10:53	बुध 20/06/2029
चन्द्र 01/02/2037	06:19:25	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	01:01:18	केतु 19/01/2030
मंगल 08/01/2038	16:59:35	मक व	नेप	मक	14:20:21	शुक्र 19/09/2031
राहु 03/06/2040	23:21:46	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	22:08:53	सूर्य 20/03/2032

लग्न-चलित

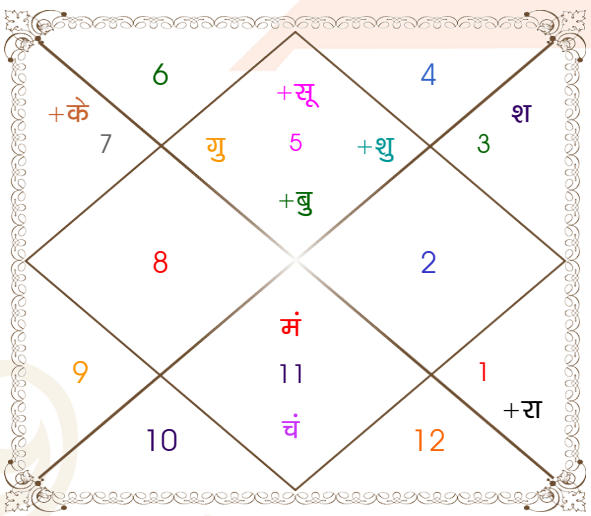

लग्न-चलित

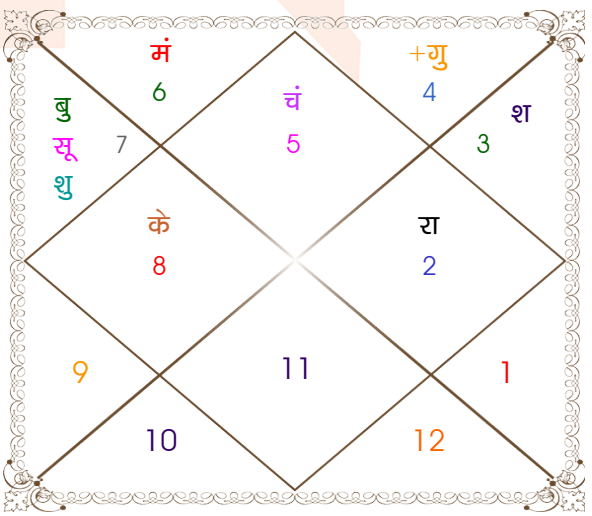

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	10.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

ळवअपदक अर्पीूांतउं का वर्ग मार्जार है तथा ॅमजं टर्पीूांतउं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळवअपदक अर्पीूांतउं और ॅमजं टर्पीूांतउं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ळवअपदक अर्पीूांतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र ळवअपदक अर्पीूांतउं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि ळवअपदक अर्पीूांतउं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ैूमजं टप्ींूतंउ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ैूमजं टप्ींूतंउ कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ळवअपदक अप्ींूतंउ तथा ैूमजं टप्ींूतंउ में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।